जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

07 मार्च 2024

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया ने किया 'सर्टिफिकेट इन सिस्टमैटिक रिव्यू एंड मेटा-एनालिसिस इन डेंटल रिसर्च' पर शॉर्ट टर्म ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन

दंत चिकित्सा संकाय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) से आंशिक वित्त पोषण के साथ 4 से 6 मार्च, 2024 तक अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम 'सर्टिफिकेट इन सिस्टमैटिक रिव्यू एंड मेटा-एनालिसिस इन डेंटल रिसर्च' का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन 4 मार्च, 2024 को मुख्य अतिथि, कुलपति प्रो. इकबाल हुसैन और विशिष्ट अतिथि, प्रो. हरप्रीत ग्रेवाल, अध्यक्ष, दंत चिकित्सा विज्ञान, यूसीएमएस, दिल्ली द्वारा किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम दंत चिकित्सा संकाय द्वारा दंत चिकित्सा संकाय के डीन प्रोफेसर केया सरकार के कुशल मार्गदर्शन में उनकी टीम प्रोफेसर प्रियंका कपूर, प्रोफेसर अमन चौधरी, प्रोफेसर दीपिका बी पोपली और प्रोफेसर हरनीत कौर के साथ आयोजित किया गया था। पाठ्यक्रम की सफलता को एम्स, दिल्ली और जोधपुर, पीजीआईडीएस रोहतक, और आरजीयूएचएस, कर्नाटक सहित देश के अधिकांश प्रमुख संस्थानों के 35 से अधिक प्रतिनिधियों की व्यापक भागीदारी से देखा जा सकता है। उन्हें एम्स और आईसीएमआर, दिल्ली, पीजीआई चंडीगढ़, एएमयू, मानव रचना और महात्मा गांधी, जयपुर सहित राष्ट्रीय संस्थानों के प्रतिष्ठित वक्ताओं के साथ-साथ यूट्रेक्ट विश्वविद्यालय, नीदरलैंड और पुथिसास्त्र विश्वविद्यालय, कंबोडिया के अंतरराष्ट्रीय संकाय से मार्गदर्शन भी मिला।

उद्घाटन सत्र की शुरुआत डीन प्रो. केया सरकार के स्वागत वक्तव्य से हुई, जिन्होंने भारत और विदेश के गणमान्य व्यक्तियों, वक्ताओं और पूरे भारत के प्रमुख संस्थानों के प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने विकसित भारत अभियान के विस्तार और एनईपी नीति, 2020 के जनादेश के दायरे में आने के लिए महत्वपूर्ण सोच कौशल को मजबूत करने वाले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दृष्टिकोण को स्पष्ट किया। उन्होंने सभा को साक्ष्य आधारित दंत चिकित्सा अनुसंधान के महत्व के बारे में जानकारी दी और इस सर्टिफिकेट कोर्स का दायरा क्लिनिकल प्रैक्टिस के साथ-साथ शिक्षा जगत में भी है। उन्होंने तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल की जाने वाली सामग्री की रूपरेखा तैयार की, जिसमें एमक्यूसीटी टूल के कॉपीराइट और व्यवस्थित समीक्षाओं के माइंडमैप सहित इस क्षेत्र में दंत चिकित्सा संकाय द्वारा किए गए इनोवेशन पर प्रकाश डाला गया।

विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर हरप्रीत ग्रेवाल ने अपने संबोधन में राष्ट्रीय स्तर पर साक्ष्य-आधारित अनुसंधान में इस अनूठे प्रशिक्षण मॉड्यूल की अवधारणा और कार्यान्वयन के लिए आयोजन टीम की सराहना की। उन्होंने इस क्षेत्र में गहरी रुचि व्यक्त की और कहा कि इसे सभी शिक्षण संस्थानों में बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

जामिया के कुलपति ने प्रो. इकबाल हुसैन ने राष्ट्रीय स्तर पर पहली बार आयोजित किए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएं और समर्थन दिया। उन्होंने साक्ष्य की गुणवत्ता और वास्तविक दुनिया की चुनौतियों में इसके अनुप्रयोग के महत्व को व्यक्त किया, जिसमें एक विशेष परिदृश्य के लिए सर्वोत्तम स्वास्थ्य देखभाल हस्तक्षेप भी शामिल है। उन्होंने इस क्षेत्र में प्रख्यात विशेषज्ञों के व्याख्यानों और कार्यशालाओं की उत्कृष्ट श्रृंखला और भविष्य की दृष्टि रखने के लिए टीम को बधाई दी।

इस अवसर पर गणमान्य व्यक्तियों द्वारा एक सुंदर संकलित स्मारिका पुस्तक का विमोचन किया गया। आयोजन की सफलता को संकाय, पीजी और कार्यक्रम के सामान्य दंत चिकित्सकों की व्यापक अखिल भारतीय भागीदारी से मापा जा सकता है, जो दंत चिकित्सा में साक्ष्य आधारित अनुसंधान की यात्रा शुरू करने के लिए तैयार थे।

उद्घाटन समारोह संयोजक प्रोफेसर प्रियंका कपूर के धन्यवाद ज्ञापन के साथ समाप्त हुआ, जिन्होंने इस कार्यक्रम को बड़ी सफलता बनाने वाले गणमान्य व्यक्तियों, सम्मानित वक्ताओं और प्रतिनिधियों के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की।

कार्यक्रम के पहले दिन प्रोफेसर प्रियंका कपूर ने व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण के परिचय पर विचार-विमर्श किया, जहां इन समीक्षाओं को संचालित करने के रोडमैप के बारे में बताया गया। इसके बाद प्रोफेसर प्रगति कौरानी द्वारा अध्ययन डिजाइनों की पहचान पर व्याख्यान दिया गया, जिन्होंने दर्शकों को दंत चिकित्सा से उदाहरण लेते हुए प्राथमिक अनुसंधान के लिए सही अध्ययन डिजाइन का चयन करने के बारे में जानकारी दी। इसे पीआईसीओ प्रारूप पर आधारित डॉ अभिषेक मेहता द्वारा एक शोध प्रश्न कार्यशाला के निर्माण द्वारा पूरक बनाया गया था। डॉ. दीपिका मिश्रा ने पबमेड में खोज रणनीति निर्माण और उसके अनुप्रयोग पर एक उत्कृष्ट कार्यशाला ली। इसके बाद रेयान सॉफ्टवेयर पर कार्यशाला हुई जहां डॉ. राजीव बालाचंद्रन ने डेटा स्क्रीनिंग, डुप्लिकेट हटाने और उद्धरण हस्तांतरण में इसके उपयोग के बारे में बताया। प्रोफेसर दीपिका बी पोपली और प्रोफेसर हरनीत कौर द्वारा PROSEPRO पंजीकरण पर एक कार्यशाला ने प्रतिभागियों को समीक्षा

करने से पहले समीक्षा दर्ज करने के लिए प्रेरित किया। अंत में, प्रोफेसर अमन चौधरी ने PRISMA पर एक कार्यशाला की जहां डेटा स्क्रीनिंग के चरणों के बारे में बताया गया।

दूसरे दिन में ऐसे विषय शामिल थे जो व्यवस्थित समीक्षाओं से मेटा-विश्लेषण तक पहुंचे। इसकी शुरुआत प्रोफेसर प्रियंका कपूर द्वारा वन कथानक की व्याख्या के संक्षिप्त परिचय से हुई। इसके बाद डॉ. नितेश तिवारी द्वारा यादृच्छिक और गैर-यादृच्छिक अध्ययनों में पूर्वाग्रह उपकरण पहचान और अनुप्रयोग के जोखिम पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। इसके बाद, डॉ. अर्पित गुप्ता ने व्यवस्थित समीक्षाओं में सांख्यिकीय उपकरणों की व्याख्या की। इसके अलावा, डॉ. आनंद मार्या ने डेटा के मात्रात्मक और गुणात्मक संश्लेषण के बारे में बताया। दिन का समापन प्रोफेसर हरनीत कौर के रेवमैन व्याख्यान के साथ हुआ, जिसके बाद प्रोफेसर प्रियंका कपूर और प्रोफेसर हरनीत कौर का सॉफ्टवेयर प्रदर्शन हुआ।

तीसरे दिन व्यवस्थित समीक्षा से संबंधित उन्नत कार्यशालाएँ शामिल थीं। व्यवस्थित समीक्षा की गुणवत्ता की ग्रेडिंग डॉ. आतिफ मोहम्मद द्वारा की गई, उसके बाद एक कार्यशाला प्रारूप में प्रोफेसर अल्पा गुप्ता द्वारा साक्ष्यों की ग्रेडिंग की गई। इसके बाद प्रोफेसर सुमित मल्होत्रा द्वारा कोक्रेन और सामान्य व्यवस्थित समीक्षाओं के बीच अंतर समझाया गया। इसके बाद दो ऑनलाइन सत्र हुए, एक नेटवर्क मेटा-एनालिसिस पर प्रो. प्रताप थारियन द्वारा और दूसरा व्यवस्थित समीक्षाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर डॉ. रेंस वान डी शूट द्वारा। इसके बाद प्रोफेसर दीपिका बी पोपली द्वारा IMRaD का उपयोग करके पांडुलिपि लेखन पर एक व्याख्यान दिया गया और प्रोफेसर अमन चौधरी द्वारा ग्रंथ सूची विश्लेषण पर एक कार्यशाला ली गई, जहां उन्होंने स्कोपस और पबमेड दोनों प्लेटफार्मों पर टूल VOSviewer के उपयोग के बारे में विस्तार से बताया।

प्रतिभागी पाठ्यक्रम से बेहद संतुष्ट थे जिसे फीडबैक फॉर्म में दर्शाया गया था जिसे प्रत्येक दिन के अंत में साझा किया गया था। प्रशिक्षण पाठ्यक्रम समापन कार्यक्रम के साथ समाप्त हुआ जिसमें डीन, प्रोफेसर केया सरकार और आयोजन टीम ने भाग लिया। उन्होंने प्रतिभागियों को अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम "सर्टिफिकेट इन सिस्टमैटिक रिव्यू एंड मेटा-एनालिसिस इन डेंटल रिसर्च" को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए प्रमाण पत्र प्रदान किए, और कार्यक्रम की सफलता में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए आयोजन समिति को भी प्रमाण पत्र प्रदान किए।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया